मोहयाल मित्र

■ *संपादकीय*

नए वर्ष में नए संकल्प

नया वर्ष 2016 आ गया है और जनरल मोहयाल सभा की गतिविधियाँ प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान समारोह से आरंभ हो रही हैं। आप सबको नए वर्ष की शुभकामनाएँ!

नए वर्ष में आपने अपने और परिवार के लिए कई संकल्प किए होंगे, कई नई योजनाएँ बनाई होंगी। आपकी ये योजनाएँ सफल हों, आपका जीवन नई उपलब्धियों से भरे।

जनरल मोहयाल सभा की नई कार्यकारिणी और पदाधिकारियों की ओर से आप सबको बधाई! नए वर्ष में आपके सबके सहयोग से जी.एम.एस अनेक कार्य करने जा रही है। इस वर्ष युवाओं पर शिक्षा के क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

जनरल मोहयाल सभा ने आर्थिक रूप से कमज़ोर और प्रतिभावान छात्र–छात्राओं को आर्थिक सहयोग देने की योजना बनाई थी। इस पर कार्य चल रहा है। आर्थिक कमी के कारण कोई भी विद्यार्थी उच्च शिक्षा ग्रहण करने से वंचित न रह जाए, ऐसे विद्यार्थी आवेदन–पत्र भेजकर संपर्क करें। जीवन में शिक्षा के माध्यम से ही सफलताएँ प्राप्त की जा सकती हैं। इसलिए पढ़ना और उच्च शिक्षा पाना बहुत आवश्यक होता है। ऐसे माता–पिता जो अपने बच्चों को पढ़ाना चाहते हैं, परंतु वे आर्थिक संकट के कारण ऐसा नहीं कर पा रहे, वे तत्काल जी.एम.एस कार्यालय से संपर्क करें।

सुशिक्षित व्यक्ति ही समाज को श्रेष्ठ बनाते हैं, देश के लिए ठोस रचनात्मक कार्य कर सकते हैं। इस शिक्षा में माता–पिता का पहला कर्तव्य होता है अपनी संतान को श्रेष्ठ शिक्षा प्रदान कराना। इसके लिए स्थानीय मोहयाल सभाएँ अपने–अपने क्षेत्रों में ऐसे बच्चों को ढूँढकर स्वयं उनकी शिक्षा का प्रबंध करें और जनरल मोहयाल सभा के माध्यम से उन्हें शिक्षा प्रदान करने में सहायक बनें।

संपादक (हिंदी)

पाठकों से अनुरोध

मोहयाल मित्र के लिए तीन–तीन, चार–चार पृष्ठों की रचनाएँ, समाचार, लेख, कविताएँ आदि प्राप्त होती हैं। मोहयाल मित्र के पृष्ठ सीमित हैं। इसलिए अधिक से अधिक 250 से 400 शब्दों तक की रचनाएँ, रिपोर्ट आदि भेजें।

कुछ रचनाएँ हाथ से लिखी आती हैं। इन्हें पढ़ना ही कठिन होता है और इनमें भाषा की गलतियों की भरमार होती है। अपनी रचनाएँ टाइप कराकर भेजें। किसी हिंदी जानने वाले से लिखवाकर भेजें ताकि गलतियाँ न हों, भाषा शुद्ध हो। कविताएँ अधिक से अधिक दस–बारह पंक्तियाँ की हों। ऐसा अनुरोध बार–बार किया गया है। साफ़–स्पष्ट बड़े पृष्ठ पर लिखें। लाइन लगे पृष्ठ पर ही लिखें।

किसी त्योहार या विशेष अवसर के लिए रचनाएँ, लेख आदि दो महीने पहले भेजें। मार्च अंक के लिए आपकी ऐसी रचनाएँ जनवरी में आ जानी चाहिएँ।

आपका सहयोग मोहयाल मित्र को विशिष्टता प्रदान करेगा।

 Donate Rs.11,000 towards Langar Fund Mohyal Ashram, Haridwar

श्री गणेशाय नमः

माँ

माँ बेटी और बेटे की सबसे बड़ी गुरू होती हैं। वह बचपन से ही बच्चों में सद्गुण प्रदान करती है। अच्छी या बुरी आदतों, और व्यवहार का सारा श्रेय माँ पर जाता है। वह अपनी बेटी

और बेटे की ऊँगली पकड़ कर चलना सिखाती है। बोलना, खाना, सभी शिक्षा स्कूल जाने से पहले माँ द्वारा प्राप्त होती है। माँ से बड़ा गुरू कोई नहीं है। घर के वातावरण का प्रभाव भी बच्चों पर पड़ता है। संगठित परिवार में बच्चों बड़ों के व्यवहार से बड़े प्रभावित होते हैं। दादा, दादी, नाना, नानी की दिनचर्या और व्यवहार उन्हें बड़ी बातों की शिक्षा देता है। जैसे समय पर प्रातः उठना, सैर करना, योगाभ्यास, अध्ययन एवम् समय पर नाश्ता, दोपहर का भोजन, रात्रि का भोजन वक्त पर करना। वह स्वास्थ्य के लिए बहुत उचित है। बच्चे परिवार से इन बातों को ग्रहण करते हैं। माँ उनमें बड़ों का आदर एवम् सम्मान की भावना जागृत करती हैं। इसका श्रेय माँ को जाता है।

माँ को बच्चे महसूस करते हैं। माँ आपको प्यार देती हैं। आपसे कुछ माँगती नहीं है। आपसे कुछ कहती नहीं है। वह हमेशा आपको खुश देखना चाहती है। लम्बी आयु की कामना करती है। अपने बच्चों को कभी बुरा नहीं बताती, बच्चों के घर पर आ जाने से उसे चारों तरफ उजाला दिखाई पड़ता है। माँ क्रोधित नहीं होती। जब उसे गुस्सा आ जाता है वह स्वयं रो पड़ती है। यही माँ के गुण हैं। जिसे अपने बच्चों में डालने का प्रयास करती है। समय परिवर्तनशील है परन्तु आज भी इक्सवीं सदी की माँ भी अपने बच्चों को वही शिक्षा देना चाहती है, जो उसे अपनी माँ से मिली है। अपने बेटे और बेटी दोनों में उच्चविचार भावना भरना चाहती है। वक्त का अभाव होने के कारण जो समय उसे मिलता है। बच्चों के साथ व्यतित करती है, उन्हें कम्प्यूटर, मोबाईल, लैपटाप तरह–तरह के आधुनिक टेकनिक द्वारा समझाना चाहती है। बच्चों को बुलन्दियाँ छूने के लिए अग्रसित करती है। अपने बेटे और बेटी में कार्य करने की क्षमता ढूँढती हैं। अच्छे से अच्छे कोचिंग सेंटर में डालकर शिक्षित करती है। यही हमारी संस्कृति है। विभिन्न क्षेत्रों में बेटी और बेटे उच्च शिक्षण प्राप्त कर अपनी माता–पिता का नाम ऊँचाईयाँ छुएँ ऐसा कार्य करते हैं।

अभी भी मोहियाल परिवार में हमारी संस्कृति जागृत है। माँ ने हमें तहदिल से शिक्षित किया है। माँ का ये कर्ज हम लौटा नहीं सकते। माँ के लिए जो भी करें वह कम है। वह हमारे गुनाहों को धो देती है। अपने आँचल में छुपा लेती है। अपने आँसुओं से हमारे सारे गम धो देती है। माँ से लिपट जाऊँ उसे हमेशा अपने ह्रदय में बसा कर महसूस करती रहूँ। माँ पुनः जन्म हो तुम्हारी ही बेटी बनूँ। हमें जो सद्बुद्धि, प्यार, समाजसेवा, सलाह आपने दी उस पर चलने का आशीर्वाद आप हमें सदा दें। माँ तुझे मेरा सलाम, सलाम, सलाम!

जय मोहयाल

श्रीमती कृष्णलता छिब्बर, *सेक्रेटरी रिश्ते–नाते, जीएमएस*
मो. 9968667740, 011–26518522

जन्मदिन की हार्दिक बधाई

मोदीनगर की रहने वाली
नाम मेरा अराध्य बाली
20 अक्टूबर 2015 को वह शुभदिन आया
मेरे दादा (विजय कु. बाली) दादी (पुष्पलता)
ने मेरा पहला जन्मदिन मनाया
सारे रिश्तेदार थे आए
मेरे लिए उपहार थे लाए
मम्मी (कविता बाली) पापा (सचिन बाली)
ने मिलकर मेरा कमरा खूब सजाया
बड़ी दादी जी (स्वर्णकान्ता बाली) ने
हाथ पकड़ कर मुझसे केक कटवाया।
सभी दोस्तों के संग मैंने, उस दिन खूब मजे किए।

इस शुभ अवसर पर दादाजी ने जीएमएस को पाँच सौ एक रुपए भेंट किए।

आन्या का प्रथम जन्मदिन

आन्या का पहला जन्मदिन पिता श्री राहुल और माता श्रीमती पूजा, लाल क्वार्टर कृष्णनगर, दिल्ली 25.11.2015 को बड़ी हर्षोल्लास एवं उत्साह से डिनर पार्टी मनाई गई, जिसमें उसके दादाजी श्री नरेन्द्र लव और दादी श्रीमती ऊषा लव, नाना जी श्री मदनलाल और नानी जी श्रीमती मनोरमा सहित दोनों तरफ के रिश्तेदार एवं मित्रगण शामिल हुए। परमात्मा इस बच्ची को स्वस्थ एवं सुखी रखे यही प्रार्थना है। इस खुशी के मौके पर श्री नरेन्द्र लव जी ने 250 रुपए जीएमएस के शिक्षा फण्ड में भेंट किए हैं।

*–**नरेन्द्र लव,** शाहदरा, दिल्ली, मो. 9911564481*

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

फरीदाबाद

मोहयाल सभा फरीदाबाद के 'शकुंतला मोहन हॉल' (दूसरी मंजिल, मोहयाल भवन) का उद्‌घाटन व 'प्रतिभाशाली विद्यार्थी सम्मान' समारोह 6 दिसम्बर 2015 को श्री रमेश दत्ता जी की अध्यक्षता में बड़ी धूम–धाम से आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 225 मोहयाल भाई–बहनों व बच्चों ने भाग लिया।

मोहयाल प्रार्थना के उपरान्त दिवंगत आत्माओं के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। सभी ने रायज़ादा आर.डी.एस बाली (फाउंडर प्रेंसीडेंट फरीदाबाद मोहयाल सभा, जिनका स्वर्गवास 2 नवम्बर को हुआ, श्रीमती शीला मेहता पत्नी स्व. श्री ए.एल. मेहता, जिनका निधन 18 नवम्बर व श्रीमती चंद्रकांता छिब्बर पत्नी श्री के.जी. छिब्बर जिनका निधन 2 दिसंबर को हुई, की आत्मा की शांति के लिए प्रभु से प्रार्थना की।

रायज़ादा के.एस. बाली जी ने पिछले माह की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई। श्री ओ.पी. मोहन व उनकी सुपुत्री ने 'शकुंतला मोहन हॉल' का उद्‌घाटन किया। इस अवसर पर श्रीमती रीतु दत्ता, श्रीमती मनु वैद, श्रीमती बाला बाली व श्रीमती गायत्री छिब्बर जी ने अपने भजनों से वातावरण को मंत्रमुग्ध कर दिया।

श्री रमेश दत्ता जी ने सभी उपस्थितजनों का स्वागत किया व सभी को नवनिर्मित 'शकुंतला मोहन हॉल' की मुबारक दी। उन्होंने बताया कि उनकी कार्यकारिणी ने विचार–विमर्श करके निर्णय किया है कि उनकी सभा फरीदाबाद की प्रत्येक मोहयाल बेटी के विवाह पर (जिसके बारे सभा को अवगत करवाया जाएगा) 5100 रुपए कन्यादान के रूप में देंगे। जीएमएस की सदस्या श्रीमती नीलिमा मेहता भी उपस्थित थीं। उन्होंने बताया कि मार्च 2016 में रिश्ते–नाते का मेला होगा, जो भी माता–पिता सूची में उनका नाम देने के इच्छुक हों, वो अपने बच्चों के नाम दे सकते हैं अथवा फार्म भर सकते हैं।

श्री ओ.पी. मोहन जी की शादी की 70वीं वर्षगांठ पर सभी ने उनको बधाई दी व दोनों की दीर्घआयु की कामना की। बच्चों ने कविताएँ, गीत व नृत्य करके कार्यक्रम को और अधिक रोचक बना दिया। रायज़ादा के.एस बाली के सुपुत्र दीपक बाली ने भी खुबसूरत प्रस्तुति से सबका मनोरंजन किया। इसके उपरान्त श्री ओ.पी. मोहन जी व श्री बलराम छिब्बर जी ने सभी प्रतिभाशाली छात्रों को स्मृति चिन्ह्‌न व नकद राशि देकर सम्मानित किया।

प्रधान श्री रमेश दत्ता जी ने बताया कि 'हॉल के निर्माण कार्य हेतु एक कमेटी गठित की गई थी, जिसमें स्व. श्री सुरजीत मेहता, रायज़ादा के.एस बाली, श्री विनय बक्शी, श्री मिथलेश दत्ता व श्री बलराम दत्ता जी थे। श्री ओ.पी मोहन जी ने कमेटी के सभी सदस्यों को स्मृति चिह्‌न देकर सम्मानित किया। श्रीमती जनक बाली, जिनका समय–समय पर सभा को सहयोग मिलता रहता है, श्री आर.सी. दत्ता व श्री आर. के. छिब्बर को उनके बहुमूल्य सहयोग के लिए, स्मृति चिह्‌न देकर सम्मानित किया गया। अंत में श्री रमेश दत्ता व उनकी कार्यकारिणी ने फूलमालाएँ पहनाकर 70वीं शादी की व स्मृति चिह्‌न देकर श्री ओ.पी. मोहन जी को सम्मानित किया।

इस अवसर पर श्री मिथलेश दत्ता ने निम्नराशि एकत्र की– श्री ओ.पी. मोहन जी एक लाख रुपए, श्रीमती सुमन दत्ता ने अपने पिताजी रायज़ादा आर.डी.एस. बाली जी की याद में 11000 रु., श्री आर.सी. दत्ता ने प्रतिभाशाली छात्रों के लिए 6500 रु., श्री राजीव दत्ता ने अपनी सुपुत्री कीर्ति दत्ता के जन्मदिन के उपलक्ष्य पर 1100 रु. एमएस फरीदाबाद व 1000 रुपए जीएमएस को, श्री विनोद व श्री अश्वनी मेहता ने अपनी माताजी स्व. श्रीमती शीला मेहता की स्मृति में 1000 रु., श्री के.जी. छिब्बर ने अपनी पत्नी श्रीमती चंद्रकांता जी की याद में 500 रु., श्री आर.के. छिब्बर, श्री बी.एस. वैद, श्री प्रदीप दत्ता (नए घर में प्रवेश हेतु), श्री सी.के. भाई, श्री जगमोहन छिब्बर, श्री आर.सी. दत्ता, दीवान आर.के. दत्ता जी ने अपनी स्वर्गीय पत्नी तृप्ता दत्ता की याद में 500 रु., श्री तरुण बाली, श्री राजेश वैद, श्री विकास बक्शी ने 250–250 रुपए, श्री आर.पी. बाली, श्री नागेन्द्र दत्ता, श्री विपिन दत्ता, श्री राकेश मेहता ने 200–200 रुपए, श्री भारतभूषण व श्री मिथलेश दत्ता ने सौ–सौ रुपए सभा को भेंट किए।

अंत में रायज़ादा के.एस. बाली ने सभी को अपनी व सभा की ओर से नववर्ष 2016 की बधाई व शुभकामनाएँ दीं व सभी का धन्यवाद किया। सभी उपस्थितजनों ने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया।

रमेश दत्ता, *प्रधान*
मो.: 9212557096

रायज़ादा के.एस. बाली, *महासचिव*
मो. 9899068573

नजफगढ़–नई दिल्ली

मोहयाल सभा नजफगढ़ की मासिक बैठक 06.12.2015 को प्रधान श्री शेरजंग बाली की अध्यक्षता में श्रीमती कृष्णा बाली के निवास स्थान आरजेड–119, एस–ब्लॉक, गली नं.7, न्यू रोशनपुरा, नजफगढ़ नई दिल्ली में मोहयाली प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ आरम्भ हुई, जिसमें 15 भाई–बहनों ने भाग लिया। सभा के सचिव श्री हर्ष दत्ता जी ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई, वित्त सचिव श्री बलदेव राज दत्ता जी ने लेखा–जोखा पेश किया, जिसका सब सदस्यों ने अनुमोदन किया।

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

शोक समाचार- श्रीमती निशी बाली पत्नी श्री योगराज बाली (दीनपुर) का निधन 4 नवंबर 2015 को दिल्ली में हुआ। सभी सदस्यों ने दो मिनट मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रभु से प्रार्थना की।

ग्रैंड मैच मेकिंग मेला दिनांक 20 मार्च 2016 को मोहयाल फाउंडेशन, नई दिल्ली में होगा। रिश्ते–नाते के लिए लड़के–लड़कियों का बायोडाटा 15 फरवरी 2016 तक जीएमएस में भेज दें। फार्म मोहयाल मित्र दिसंबर 2015 पेज नं17 में प्रकाशित है।

श्री दिलबाग राय बक्शी, श्री योगराज बाली तथा श्रीमती ऊषा बाली ने अपने विचार रखे कि वृंदावन भ्रमण कार्यक्रम बनाया जाए। सभी भाई–बहनों ने इसका अनुमोदन किया। सभी की सहमति से 2 जनवरी 2016 को नजफगढ़ से वृंदावन जाने का तथा 3 जनवरी 2016 को वापसी, 2 जनवरी को रात्रि विश्राम मोहयाल आश्रम वृंदावन में होगा।

प्रधान जी ने इस पर अपनी सहमति दी तथा श्री हर्ष दत्ता, श्री दिलबाग राय बक्शी तथा श्री रवि दत्ता जी को इसके लिए जिम्मेदारी दी गई। सभी ने बढ़िया जलपान के लिए श्रीमती कृष्णा बाली को धन्यवाद दिया।

अगली बैठक 3 जनवरी 2016 को प्रातः 10 बजे मोहयाल आश्रम वृंदावन में होगी। सभी सदस्यों से उपस्थित होने का निवेदन है।

शेरजंग बाली
मो.: 9871756765

हर्ष दत्ता, *सचिव*
मो. 9312174583

कुरूक्षेत्र

मोहयाल सभा कुरूक्षेत्र की मीटिंग 13.12.2015 को निवास स्थान श्री मोहिन्दर बक्शी, सेक्टर 3, 1642, में श्री संतोष मेहता प्रधान की अध्यक्षता में 22 सदस्यों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के पश्चात पिछली बैठक की कार्यवाही पढ़कर सुनाई तथा सभी ने इसका अनुमोदन किया।

सभा में उपस्थित सदस्यों ने श्रीमती वन्दना वैद कुरूक्षेत्र को स्त्री विंग का सेक्रेटरी बनाने पर बी.डी. बाली जी का धन्यवाद किया। प्रधान जी ने अंबाला शहर से मीटिंग में पधारे श्रीमती प्रवीण बक्शी व महेश बक्शी का फूल माला से स्वागत किया। गीता जयंती के शुभ अवसर पर बाहर से आने वाले मेहमानों के स्वागत में होर्डिंग लगाने का निर्णय हुआ।

कुरूक्षेत्र से जीएमएस के नुमाइंदे के तौर पर प्रधान संतोष वैद का नाम दिल्ली भेजा गया।

3 जनवरी 2016 को नववर्ष के उपलक्ष में प्रीतिभोज का आयोजन किया जाएगा। श्री स्नेह छिब्बर को सभा के पीआरओ व बर्तन भण्डार का इंचार्ज बनाया गया। सभा का समापन गायत्री मंत्र से हुआ। प्रधान संतोष वैद जी ने श्रीमती व श्री मोहिन्दर बक्शी जी का स्वादिष्ट जलपान व मीटिंग के लिए धन्यवाद किया तथा उपस्थित सदस्यों का ग्रुप फोटो भी लिया गया।

संतोष वैद, *प्रधान (9813730094)*

पानीपत

सभा की मासिक बैठक 6 दिसंबर 2015 को श्री कैलाश वैद जी की अध्यक्षता में श्री ऋत मोहन के 463एल मॉडल टाउन स्थित निवास पर आयोजित हुई। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री वंदना के बाद सभी सदस्यों ने श्री राहुल मोहन (डिप्टी एडवोकेट जनरल हरियाणा) का स्वागत किया। उनको फूलमालाओं तथा शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। साथ ही उनकी माताजी का भी महिला सभा द्वारा सम्मान किया गया।

पानीपत सभा ने हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहरलाल खट्टर जी का श्री राहुल मोहन को डिप्टी एडवोकेट जनरल बनाने के लिए धन्यवाद किया। श्री राहुल मोहन ने इस अवसर पर बोलते हुए हरियाणा सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की चर्चा की, साथ ही मुख्यमंत्री जी की सादगी के किस्से भी सुनाए। श्री ऋत मोहन जी को जनरल मोहयाल सभा के पी.आर.ओ बनने पर मुबारकवाद दी तथा इसके लिए श्री बी.डी बाली जी का शुक्रिया अदा किया।

डॉ. लज्जा देवी मोहन ने आर.एस.एस एवं मोहयालों के सम्बंध में कई उपयोगी जानकारियाँ दी। श्री लवनीश मेहता तथा श्रीमती पूजा मेहता के घर बेटी के जन्म पर परिवार को मुबारक दी गई। मीटिंग में प्रथम बार आने पर सर्वश्री ध्रुव बाली, वरुण बाली, सुरिंदर लौ एवं राकेश मोहन जी का स्वागत किया गया। श्रीमती बबिता वैद के भतीजे करण छिब्बर की शादी होने पर बधाई दी गई।

श्री ब्रिज मोहन छिब्बर जी की धर्मपत्नी श्रीमती वीणा छिब्बर जी, श्री प्रह्लाद बाली जी, श्री एन.एन. वैद जी और श्री विजय मेहता के भाई इन सभी सदस्यों के जल्दी स्वस्थ होने की कामना की गई। सभा में सभी को यह सूचना दी गई कि मोहयाल विद्यार्थी सम्मान समारोह 10 जनवरी को मोहयाल फाउंडेशन में होगा, अतः सभी अभिभावक इस दिन सम्मानित होने वाले बच्चों सहित सम्मलित हों।

अंत में शांति पाठ के साथ मीटिंग सम्पन्न हुई। मीटिंग के आयोजन तथा जलपान की व्यवस्था के लिए डॉ. लज्जा देवी मोहन व श्रीमती सुनीता मोहन और श्री ऋत मोहन जी का धन्यवाद किया गया।

नरिंदर छिब्बर, *सचिव*
मो. 9416412184, 8222023131

मोहयाल मेला आगरा

मोहयाल मेला व मोहयाल मिलन समारोह दिनांक 27.09.2015 को आगरा के होटल आशीष पैलेस, फतेहाबाद रोड, आगरा में आगरा मोहयाल सभा द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली जी द्वारा अपने बहुमूल्य समय में कुछ समय निकाल कर अपनी नवनिर्वाचित कमेटी के साथ आगरा आकर मेले का उद्घाटन किया व आगरा सभा को अपना आशीर्वाद दिया और उन्होंने भविष्य में भी अपनी ओर से इसी तरह सहयोग व आशीर्वाद बनाए रखने की घोषणा की एवं अपनी नवनिर्वाचित कमेटी के सभी सदस्यों से परिचय करवाया। इसके पूर्व पू. श्री बाली का आगरा सभा के संयोजक श्री कामरान दत्ता, अनिल मेहता उपाध्यक्ष, एस.पी. दत्ता सचिव, श्री बालकिशन मोहन, प्रवीण दत्ता, राजन दत्ता, कर्नल वी.के. बाली, अमित बक्शी, अमित दत्ता, दीपक मेहता, राजन दत्ता व दिल्ली से विशेष रूप से आए श्री वैभव छिब्बर जी व अन्य पदाधिकारियों द्वारा फूलमालाओं द्वारा स्वागत किया गया। तदोपरान्त श्री बाली जी द्वारा दीप प्रज्जवलित कर अपने सभी सहयोगियों के साथ मिलकर ध्वजारोहण किया व मोहयाल प्रार्थना की, इसके साथ जय मोहयाल के नारों के साथ पूरा हॉल गूँज उठा जिसमें सबसे अधिक जोश स्वयं बाली जी द्वारा प्रकट किया गया। तदोपरांत सभी अतिथियों को माल्यापर्ण कर उनका स्वागत किया गया तथा श्री बाली जी को आगरा सभा के कार्यवाहक अध्यक्ष श्री अनिल मेहता द्वारा अपने स्वागत भाषण द्वारा श्री बाली जी व उनके सहयोगियों का स्वागत किया व सभी उपस्थित महानुभावों को आगरा सभा की स्थापना से लेकर मोहयालों की उत्पत्ति सात ऋषियों द्वारा उनके वंशज होने का वर्णन पूर्ण रूप से किया तथा मोहयाल सभा आगरा की वर्तमान कमेटी के संस्थापक मेजर एस.एस दत्ता, श्री एम.बी. दत्ता, श्री एम.एम. मेहता, श्री एम.पी. मेहता, डॉ. बृजमोहन मेहता व अन्य, उन सभी को जिनके सहयोग से यह कमेटी बनी, सभी के नामों को याद किया तथा स्व. श्री कमलेश मेहता, स्व. श्री के.के. बक्शी जी के उस काल की विशेष रूप से चर्चा की कि जिनके निधन से आई इस कमी को बहुत बड़ी क्षति बताया तथा उनके द्वारा सभी मोहयालों को जोड़ना व सभी के साथ बैठ कर भाइयों–बहनों के विषय में बेहतर रहन–सहन करने की कोशिश करना, वृद्ध पेंशन, विधवा पेंशन, छात्रों के वजीफे, उच्च शिक्षा, विधवा महिलाओं के उत्थान के लिए सभा द्वारा हर संभव सहायता व अन्य कार्यो के साथ ही मोहयाल भवन, आगरा के निर्माण हेतु प्रयास करना आदि कार्यों की पूरी जानकारी अपनी रिपोर्ट में दी और यह भी बताया कि स्व. कमलेश मेहता सचिव व स्व. श्री के. के. बक्शी के निधन से सभा को जो क्षति व रुकावट आई है उसको किस तरह से श्रभ कामरान दत्ता जी, एस.पी. दत्ता, श्री राजेश दत्ता, प्रवीण दत्ता, श्री बालकिशन आदि द्वारा जो पूर्व की भाँति सभा को एक करने व गति प्रदान करने की अपनी कोशिश की तारीफ की व सभी उपस्थित मोहयाल भाईयों से सहयोग की अपेक्षा की तथा मोहयाल मित्र व मोहयाल सभा के आजीवन सदस्य बनने का अनुरोध किया।

सभा का संचालन करने से पूर्व गणेश वंदना श्रीमती कीर्ति छिब्बर पत्नी श्री वैभव छिब्बर द्वारा की गई। उन्होंने अपने संचालन से सभी को मोहित कर दिया। उनका साथ उनके पति श्री वैभव छिब्बर जी ने भी दिया। कार्यक्रम को और अधिक मनमोहक करने हेतु सभी बाल कलाकारों द्वारा अपने डांस, कविताओं, वाद्य यंत्रों द्वारा अपनी कला का बखूबी प्रदर्शन किया एवं कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई जिसका सभी ने स्वागत किया। अतिथिगणों ने भी बाल कलाकारों की दिल खोल कर प्रशंसा की व कलाकारों को रायज़ादा बी.डी बाली जी द्वारा पुरस्कृत किया गया। नन्हें मुन्ने कलाकारों में बेबी शिब्बो मेहता, कार्तिक छिब्बर, वैभव छिब्बर, चित्रार्थ मेहता, सारा दत्ता, आनिया दत्ता व अन्य सभी बाल कलाकारों के सहयोग की सभा आभारी है व उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना करती है।

समय के अभाव व गणेश उत्सव होने के कारण कार्यक्रम के अंत में श्री एस.पी दत्ता सचिव द्वारा अपने धन्यवाद भाषण में दिल्ली से आए रायज़ादा बी.डी बाली जी व उनके सहयोगी श्रीमती व श्री डी.वी. मोहन जी, डॉ. अशोक लव, एस.के. छिब्बर, श्री पी.के. दत्ता, श्री विनोद दत्ता, श्री योगेश मेहता, लेफ्टीनेंट कर्नल एल.आर. वैद, श्री बी.एल. छिब्बर, लेफ्टीनेंट जनरल जी. एल. बक्शी, रायज़ादा जे.सी. बाली, श्रीमती कृष्णलता छिब्बर, सुशील कुमार छिब्बर, श्रीमती सुनीता मेहता, हरिओम मेहता जी को कार्यक्रम में अपना सहयोग देने हेतु विशेष रूप से आए। दिल्ली से श्रीमती आशा मेहता, कीर्ति छिब्बर का परिवार, श्री सूरज शर्मा, श्रीमती इन्दू शर्मा रावत भाटा, कोटा राजस्थान से श्रीमती अमिता बाली, श्री पुनीत मेहता अपनी माता श्रीमती शशि मेहता के साथ दिल्ली से, श्री विनोद दत्ता सीतापुर से, जम्मू से श्रीमती व श्री कनात्रा जी (सीमा मेहता के माता–पिता) व श्री सुनील पसरीजा, श्रीमती किरन पसरीजा, मोहन शर्मा आदि के पधारने व सहयोग देने व कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने हेतु सचिव व सभी कमेटी ने बहुत धन्यवाद दिया।

सचिव महोदय ने अपने धन्यवाद भाषण में आए सभी मेहमानों व स्थानीय भाई–बहनों का व बच्चों का होटल के कर्मचारियों का दिल से शुक्रिया अदा किया। श्रीमती आशा मेहता का विशेष रूप से अपने दोते लोकेश दत्ता पुत्र श्री अजय दत्ता फरीदाबाद के इंजीनियरिंग में दाखिला होने पर मोहयाल सभा आगरा को 1100 रु. व जीएमएस को 500 रु., श्री निर्माण दत्ता 500 रु. आगरा सभा, श्री विनोद दत्ता (खन्ना) 11000 रु.श्री पी.के. दत्ता (गुड़गाँव) ने 5100 रु., श्री एस.एन. दत्ता (दत्ता प्रैस) 2000 रुपए और जीएमएस द्वारा 10000 रुपए का योगदान हेतु बहुत–बहुत धन्यवाद दिया।

महिला सभा आगरा की पूज्यनीय श्रीमती सावित्री दत्ता, मधु दत्ता, योगिता व सुगन्धा दत्ता, पूजा दत्ता, पूनम मोहन, आभा दत्ता, शिल्पी दत्ता, कविता मेहता, स्वाति मेहता, सीमा मेहता का भी विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के अन्त में सभी भाई बहनों ने गायत्री मंत्र व शांति पाठ का उच्चारण किया और जय मोहयाल के नारों का उद्घोष किया व भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों की कामना की।

एस.पी. दत्ता, *सचिव (मो. 09897455755)*

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

प्रेमनगर-देहरादून

सभा की मासिक बैठक 25.10.2015 को श्री जे.एस. दत्ता के निवास स्थान विंग 2, प्रेमनगर, देहरादून में श्री डी.एन. दत्ता, प्रधान की अध्यक्षता में 20 सदस्यों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के पश्चात सभा की कार्यवाही प्रारम्भ की गई। श्री कमल रत्न वैद, प्रधानाचार्य (सेवानिवृत) डी.बी.एस. कालेज, देहरादून, श्री भूपेन्द्र दत्ता एवं श्रीमती ललिता दत्ता जी के मोहयाल सभा, प्रेमनगर की सदस्यता ग्रहण करने पर हार्दिक अभिनन्दन किया गया।

श्री कमल रत्न वैद जी ने सभा को सूचित किया कि उनका तथा उनके पुत्री, दामाद एवं नातिन का जन्म दिवस अक्टूबर माह में पड़ रहा है। उन्होंने अपने दामाद श्री मनु दत्ता, पुत्री श्रीमती प्रिया दत्ता, नातिन सांभरी दत्ता तथा स्वयं के जन्मदिवस क्रमशः 11, 21, 26 तथा 29 अक्टूबर को पड़ता है, सभा को उन्होंने इस अवसर पर 2100 रुपए प्रदान किए। श्री के.आर. वैद ने सभा का सदस्यता शुल्क (वर्ष 2015–16 एवं 2017) अग्रिम राशि 900 रु. भी प्रदान की। श्रीमती ललिता दत्ता तथा श्री भूपेन्द्र दत्ता जी ने भी वर्ष 2015 का सदस्यता शुल्क भी प्रदान किया। सभा में सभी उपस्थित सदस्यों ने श्री कमल रत्न वैद तथा परिवार के सदस्यों के जन्मदिन पर बधाई दी।

सभा के 26 सदस्य गत माह मथुरा–वृंदावन की तीर्थ यात्रा पर गए थे। उसी सन्दर्भ में श्री रमेश दत्ता को देहरादून वापिस आने पर सम्मानपूर्वक राधा–कृष्ण जी का सुन्दर एवं सुसज्जित चित्र भेंट किया।

हमारे वरिष्ठ सदस्य श्री रमेश दत्ता ने सभा को सूचित किया कि उन्होंने बिधौली गाँव (निकट प्रेमनगर) एक भू–भाग खरीदा है। इस अवसर पर उन्होंने सभी सदस्यों को मिष्ठान वितरण किया। सभी सदस्यों ने उन्हें बधाई दी। श्री रमेश दत्ता जी ने बताया है कि इस भू–भाग पर जो कि उन्हें प्रभु के आशीर्वाद से प्राप्त हुआ है, उस पर अन्य प्रदेशों से शिक्षण–प्रशिक्षण प्राप्त करने आने वाले बालक–बालिकाओं के लिए निवास सभी सुविधाओं से युक्त एक भव्य अतिथि निवास के निर्माण करवाएँगे उससे जो आय प्राप्त होगी उसका बड़ा हिस्सा गरीबों की सेवा तथा मोहयाल बिरादरी की सेवा में व्यय करेंगे।

श्रीमती नूतन वशिष्ठ, पूर्व प्रधानाचार्य तथा श्रीमती संतोष बाली ने जलपान के वितरण में विशेष सहयोग प्रदान किया। नवम्बर माह की सभा श्री रमेश दत्ता जी के निवास स्थान पर होगी। श्री रमेश दत्ता ने भजन सुनाया तथा श्रीमती एवं श्री जे.एस. दत्ता जी के धन्यवाद के बाद सभा समाप्ति की घोषणा की गई।

राजेश बाली, *सचिव (मो. 975813583)*

बराड़ा

मोहयाल सभा बराड़ा की मासिक बैठक दिनांक 01.11.2015 को सभा के प्रधान सरदार हरदीप सिंह वैद जी के निवास स्थान पर गायत्री मंत्रोच्चारण व मोहयाली प्रार्थना के साथ आरम्भ हुई, जिसमें लगभग 10 भाई–बहनों ने भाग लिया। सर्वप्रथम सभा के सह–सचिव श्री बलदेव सिंह दत्ता ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई, जिसे सभी ने अपनी सहमति प्रकट की।

मोहयाल सभा बराड़ा की ओर से सभी मोहयाल भाईयों व बहिनों को दीपावली की बहुत–बहुत बधाई। सभा के सभी सदस्यों ने जलपान के लिए सभा के प्रधान व परिवार का धन्यवाद किया।

■ मोहयाल सभा बराड़ा की मासिक बैठक दिनांक 6.12.2015 को प्रधान हरदीप सिंह वैद जी की अध्यक्षता में श्री राजीव दत्त जी के निवास स्थान दोसड़का में मोहयाली प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के बाद संपन्न हुई।

श्री राजीव दत्त जी ने अपना नया निवास–स्थान बनाया जिसकी सभी ने बधाई दी। अंत में सभी ने जलपान के लिए श्री राजीव दत्त व परिवार का धन्यवाद किया।

रविन्दर कुमार छिब्बर, *सेक्रेटरी*
मो. 09466213488

मोहयाल सभा नवी मुंबई का मोहयाल मेला

29 नवंबर 2015 को मोहयाल सभा नवीं मुंबई का वार्षिक मेला शानदार ढंग से संपन्न हुआ। इस अवसर पर सभा की ओर से डायरेक्टरी और स्मारिका का प्रकाशन किया गया। इसका सुंदर प्रकाशन हुआ है। सदस्यों के पते मोबाइल नंबर आदि दिए गए हैं जिनसे संपर्क करने में सुविधा होगी। सभा के समस्त पदाधिकारियों और सदस्यों को बधाई!**–संपादक (हिंदी)**

कंचन मेहता छिब्बर सम्मानित

यमुनानगर के देवेन्दर मेहता छिब्बर की सुपुत्री कंचन मेहता छिब्बर को डीएवी पब्लिक स्कूल के वार्षिक पुरस्कार–वितरण समारोह में मुख्य अतिथि बीसीसीआई के सचिव अनुराग ठाकुर ने सम्मानित किया। कंचन मेहता छिब्बर ने सी.बी.एस.ई. की जमा दो परीक्षा में 95.5 प्रतिशत अंक लेकर स्कूल में पहला स्थान प्राप्त किया है। *(फोटो कवर पेज बैक इन साइड)*

सुरेंद्र मेहता छिब्बर, *महासचिव, मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशाप मो. 9355310880*

अंतिम यात्रा

आत्म सरूप दत्ता का निधन

मोहयाल सभा जालंधर के प्रधान आत्म सरूप दत्ता सुपुत्र स्व. चौधरी धर्म देव दत्ता फाउंडर मोहयाल सभा जालंधर का निधन 7 दिसंबर 2015 की रात्रि हार्ट अटैक के कारण हो गया। दत्ता जी के निधन से मोहयाल बिरादरी व समाज को भारी क्षति हुई। दत्ता जी ने मोहयाल सभा में एकता व भाईचारे को बनाए रखने का प्रयास सदैव किया, उन्हें मोहयालित अपने पिताश्री से प्राप्त हुई। भारत–पाक बंटवारे के समय पाकिस्तान से आने वाले मोहयाल परिवारों को रिफ़्यूजी कैंपों में जाकर संपर्क करते उन्हें अपने निवास लाडोवाली रोड पर लेकर आते, उनकी आर्थिक मदद के साथ रहने का प्रबंध भी करते (दत्ता परिवार विभाजन से पहले जालंधर में रहता था)।

1950 में मोहयाल सभा का गठन 'करतारपुर साइकल वर्क्स रैनक बाजार' में हुआ। इसके फ़ाउंडर प्रधान चौधरी धर्मदेव दत्ता को बनाया गया। आत्मसरूप दत्ता जी को हर माह दुकान पर होने वाली बैठकों के प्रबंध का कार्य मिलता, जिसे बड़ी खुशी से करते। दत्ता जी ने आखरी दम तक मोहयाल सभा में एकता व भाईचारे को बनाए रखा। वे कहते थे 'मेरे पिताश्री ने मोहयाल सभा की स्थापना बिरादरी में आपसी भाईचारे को बनाए रखने हेतु की थी।'

कुछ माह पहले उन्हें पुनः मोहयाल सभा जालंधर की प्रधानगी सौंपी गई। दत्ता जी ने 'शाम मेहता यादगार भाईमति दास मोहयाल भवन लिंक रोड' का निर्माण कार्य सभा की सहमति से आरम्भ करवा दिया। 5 दिसंबर की सुबह दत्ता जी के निवास पर मोहयाल भवन के निर्माण पर विस्तार से चर्चा चली, 7 दिसंबर की सुबह दत्ता जी के निधन का फोन सुनने को मिला, जिसने सुना उसे विश्वास नहीं हुआ दत्ता जी नहीं रहे। उनके निवास पर बड़ी संख्या में मोहयाल परिवार, दत्ता जी के हम उम्र मित्र, राजनैतिक पार्टियों से जुड़े नेतागण, मोहयाल सभा होशियापुर, लुधियाना, खन्ना, जालंधर, लांबड़ा के पदाधिकारी दत्ता जी को नम नेत्रों से अंतिम विदाई देने पहुँचे।

जनरल मोहयाल सभा के प्रधान रायज़ादा बी.डी. बाली की ओर से पुष्प बाली सदस्य जीएमएस, सरप्रस्त चौ. राजेश्वर दत्ता ने पुष्पांजलि अर्पित की। विनोद दत्ता (सुपर मिल्क) खन्ना दत्ता जी के निधन का दुखांद समाचार सुनकर अंतिम विदाई देने पहुँचे। उन्होंने अपनी संवेदना प्रकट करते हुए कहा–दत्ता जी मोहयाल सभा जालंधर के स्तम्भ थे।

दत्ता जी का रस्म उठाला 9 दिसंबर बुधवार को गीता मंदिर मॉडल टाउन में हुआ। उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए हरिवल्लभ संगीत महासभा के पदाधिकारी पहुँचे। दत्ता जी इस सभा से साठ सालों से जुड़े हुए थे। उन्हें 2009 में महासभा ने 'लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड' से नवाजा था। दत्ता जी सीनियर सिटीज़न कौंसिल, केसरी साहित्य संगम, रैनक बाजार कमेटी के पदाधिकारी थे। मोहयाल नगर जालंधर का नाम भी दत्ता परिवार की देन है।

दत्ता जी जनरल मोहयाल सभा के आजीवन सदस्य थे, और जी.एम.एस की प्रबंधक कमेटी के सदस्य भी रहे। 50वीं मोहयाल कांफ्रेंस में उन्हें सम्मानित किया गया था।

मोहयाल सभा लुधियाना के प्रधान स. अमोलक सिंह, सचिव बृजमोहन दत्ता, मुनीष बाली, होशियारपुर से सचिव विजयंत बाली, खन्ना से सचिव राजीव मैहता, अमृतसर से अनिल दत्ता, लांबड़ा से रोहित मोहन, यूथ मोहयाल सभा जालंधर के प्रधान वरुण बाली के इलावा जालंधर मोहयाल सभा के एस. के. दत्ता, विजय दत्ता, जी.के. दत्ता, जी.के. बाली, सुनील दत्ता, अशोक दत्ता, सोहन सिंह बाली, कैप्टन एस.के. दत्ता, चौधरी परिवार के इलावा बड़ी संख्या में मोहयाल परिवारों ने दत्ता जी को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए मानव दत्ता, मोनिका दत्ता, गौरव दत्ता, डॉ. पूजा दत्ता, आरती दत्ता, डॉ. ए.एस. दत्ता, डॉ. सविता दत्ता, डॉ. जे.एस. दत्ता, नीलम दत्ता, कर्नल आर.एस. दत्ता, वनीता दत्ता, चंद्र दत्ता, अंजू दत्ता, नरेश शर्मा, सुमीत शर्मा, अशवनी शर्मा, नीलम शर्मा को अपनी संवेदना प्रकट की।

चौधरी परिवार के मुखी चौधरी राजेश्वर दत्ता ने अश्रु भरे नेत्रों से सबका आभार प्रकट किया।

अशोक दत्ता, *सचिव मोहयाल सभा जालंधर शहर*
मो. 09779890717
akduttajuc@gmail.com

नरेन्द्र कुमार छिब्बर का निधन

श्री नरेन्द्र छिब्बर (73) पुत्र स्व. डॉ. जगननाथ छिब्बर का निधन उनके निवास 671/5, महरौली नई दिल्ली में 15.09. 2015 को हुआ। उनकी रस्म–पगड़ी 25 सितंबर 2015 को महरौली में हुई। रस्म–पगड़ी के समय मोहयाल बिरादरी एवम् समाज के अनेक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के सदस्य सम्मिलित हुए।

श्री नरेन्द्र छिब्बर जी ने समाज में रहते हुए समाज सेवा की एवं उनका अपना सेंटर चलाते थे। जीवन में उन्होंने अनेक लोगों का मुफ़्त इलाज भी किया। उनके इस कार्य की समाज लंबे समय तक याद करेगा। श्री नरेन्द्र छिब्बर जी अपने पीछे

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

अपने बड़े भाई श्री एस.एन. छिब्बर, अशोक छिब्बर व धर्मपत्नी श्रीमती ऊषा छिब्बर एवं पुत्र अमित छिब्बर पुत्रवधू भावना छिब्बर, अनुज, विकास छिब्बर व पौत्र अख, अरनव को छोड़ गए।

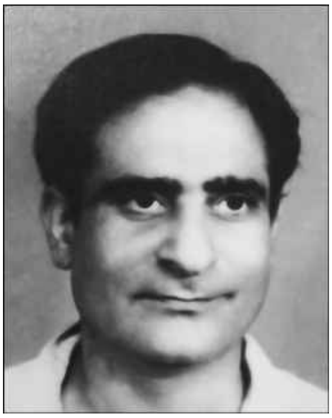

रस्म–पगड़ी के समय उनकी धर्मपत्नी श्रीमती ऊषा ने मोहयाल सभा महरौली व जीएमएस को पाँच–पाँच सौ रुपए का दान दिया। भगवान छिब्बर परिवार को इस अत्यंत दुःख से लड़ने की शक्ति दें। ईश्वर की ऐसी इच्छा रही होगी। ईश्वर उनके दिखाए गए रास्ते पर चलने की प्रेरणा दें।*–एमएस महरौली*

17वीं पुण्य तिथि

स्वर्गीय माताजी रायज़ादी दुर्गी देवी (बाली) 17वीं पुण्यतिथि पर बेटा रायज़ादा सुभाष बाली, पत्नी श्रीमती चंपा बाली 500 रुपए जी.एम.एस. को विधवा फंड के लिए भेंट करते हैं। मोहयाल बिरादरी की तरफ से प्रभु परमेश्वर जी से विनती है कि स्व. हमारी माताजी रायज़ादी दुर्गी देवी जी को अपने चरणों में स्थान दें व परिवार को सुख व शांति दें।

रायज़ादा सुभाष चन्द्र बाली, *गाँव खुडाडीयाँ, तहसील काला कोट, जिला रजौरी, जम्मू–कश्मीर, मो. 9697598538*

12वाँ प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान 2015

मुख्य-अतिथि एवं पुरस्कार-वितरणः मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली (अध्यक्ष, जनरल मोहयाल सभा)

रविवारः 10 जनवरी 2016, प्रातः 11.00 बजे

स्थानः मोहयाल फ़ाउंडेशन, ए–9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, यू.एस.ओ. रोड, जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली–110067

नोटः पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पत्र द्वारा सूचना भेज दी गई है।

संपर्कः 011–41783232, 26561504, 26560456
E-mail: gmsoffice2003@gmail.com

पुण्यतिथि

मेरी माताश्री (पुण्यतिथि 08.01.2006) एवम् पिताजी (पुण्यतिथि 25.01.2006) की स्मृति में एक रचना प्रस्तुत कर रही हूँ।

'आभार'

किस का आभार मानूँ ईश्वर का या माँ–बाप का एक ने जीवन दिया तो एक ने जीना सिखाया,
एक ने पग दिए तो एक ने चलना सिखाया
एक ने नींद दी तो एक ने लोरी गाकर सुलाया।

एक ने भूख दी तो एक ने प्यार से मुझे खिलाया।
एक ने जन्मजात संस्कार दिए तो एक ने सुसंस्कारों से मुझे सजाया।
आभार इन दोनों का....
एक साँस है तो एक उन साँसों का मालिक।

एक से मेरा अस्तित्व है तो दूसरा मेरे अस्तित्व की पहचान।
परम पिता परमात्मा एवं परम प्रिय माता–पिता।
शत् शत् नमन् है आपको।

प्रभा मेहता (छिब्बर)
6–विकास, पास–डोन बोस्को स्कूल, जीवराज पार्क, अहमदाबाद

सच्ची शिक्षा

हिन्दु, मुस्लिम, सिक्ख, यहूदी,
बौद्ध, पारसी, जैन, ईसाई,
मानव–मानव को क्यूं मार रहा हैं,
पूछे सबसे विश्व की माई।

सूरज तेरा, धरती तेरी,
हवा और सागर तेरे शहदाई,
बड़ी खलां का तू हैं मालिक,
ओ भगवान क्यूं करे कड़ाई।

जीवन तो हैं प्यार की मंजिल,
इस प्यार से पैदा हुई खुदाई,
मानव ही मानव को क्यूं काटे,
मानव ही मानव का क्यूं बना कसाई।

खुद को चोट लगे तब रोवें,
क्यूं ना समझे पीर पराई,
"बक्शी" उस शिक्षा को बदलों,
जो शिक्षा ये नफरत लाई।

वजीरचन्द बक्शी

"गुरू-दक्षिणा"

द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण के समय "कुरूक्षेत्र" नामक स्थान पर कौरवों और पाण्डवों में 18 दिन भीषण युद्ध हुआ, जिसमें अन्त में पाण्डवों की भगवान श्रीकृष्ण के निर्देशन में विजय प्राप्त हुई।

लेकिन इसी युद्ध के समय जब भीष्म पितामह शरशेय्या यानी बाणों की सेज पर अपने अन्तिम सांस ले रहे थे, उन्होंने अपने शिष्य दुर्योधन से कहा "प्यास लगी है जल पिलाओ" तब वह एक बड़े पात्र में जल लेकर आया उस समय भीष्म पितामह ने कहा पुत्र युद्ध भूमि में ऐसे पात्र से जल नहीं दिया जाता, तब उन्होंने अपने शिष्य अर्जुन से कहा "पुत्र जल पिलाओ" तब अर्जुन ने धरती में बाण बेध कर जल की धारा पितामह के मुँह में डाल दी और पितामह की प्यास बुझाई। पितामह ने अर्जुन को आशीर्वाद दिया।

विशेषः यह सत्य कथा दर्शाती है कि तब भी और आज भी ऐसे अर्जुन हैं जो गुरू की आज्ञा का अर्थ समझते हुए कठिन से कठिन कार्य कर देते हैं यही गुरू–शिष्य परम्परा है और यही गुरू–दक्षिणा भी है, जो आज भी उसी तरह कायम है। जैसी गुरू–दक्षिणा अर्जुन ने दी वैसी ही गुरू–दक्षिणा आज भी देते हैं।

विनीतः ***नरेन्द्र लव,*** *शाहदरा, दिल्ली (मो.) 9911564481*

हरिपुर हज़ारा (अब पाकिस्तान में) की पुरानी यादें ('हरि का अर्थ भगवान अर्थात भगवान का शहर')

1947 में बंटवारा होने पर बहुत से शहरों का वर्णन छापने का प्रयास किया गया था। उसमें से एक "अबोटाबाद" भी था जो जुलाई 2011 में छपा था, (मोहयाल मित्र) हरिपुर हज़ारा का प्रयास करके जो संभव हुआ वह लिख रहा हूँ। वैसे एनडब्ल्यूएफपी में जिले आते थे, पेशावर मरदान, कोहाट, बन्नू डेरा इस्माईलखान। यह हज़ारा का एक अहम् शहर था (तहसील) इसके अर्न्तगत दो और तहसील थीं, एक "मानसेहरा" तथा अबोटाबाद'।

इसके बसाने वाले महाराजा रणजीत के सेनापति हरिसिंह नलवा थे। इस शहर की स्थिति एक केन्द्र जैसी जो कश्मीर के इलाकों को कंट्रोल करती थी। इसकी स्थिति सिंधू नदी के पूर्व में है। हरिसिंह नलवा यहाँ के गर्वनर बनाकर अमेद किले का निर्माण का आदेश भी दिया था।

महराजा रणजीत सिंह ने महान योद्धा व सेना नायक हरि सिंह नलवा का चहूँ और विजय पताका फहरा वाली खालसा सेना के नायब ने चट्टान मजबूती वाला यह किला अपनी देख–रेख में बनवाया। सिक्खों के साम्राज्य के सुनहरे दिनों का गवाह, यह किला 35 हज़ार 420 किलो मीटिर में फैला हुआ था। यह सन् 1822–1823 के बीच बनाया गया था। कहाँ जाता है कि 1818 में कश्मीर घाटी को जीत कर नलवा ने हज़ारा का मार्ग प्रशंसा किया था।

यह शहर बड़ा ही प्यारा था, और बहादुरी का जज़्बा लिए हुआ था। चारों ओर पहाड़ी इलाके थे और प्रकृति के मनोहारी, मनोरम दृश्य, झरने भी अति मनोहारी लगते थे। बंटवारे के बाद यहाँ के लोगों ने दिल्ली व अन्य स्थानों में शरण ली व वहीं बस गए।

हज़ारा की भी एक कहानी है कि 1000 (पवनों की) सेना की टुकड़ी यहाँ आकर टिकी थी, तथा उसको ऐसा लगा कि यह जगह हर तरह से सुरक्षित तथा सुविधाजनक लगी। तभी से इसका नाम हज़ारा पड़ गया। साथ ही एक किंवदंनी है कि अपने बच्चों (मुसलमान) के लोग नलवा का नाम लेके डराते थे कि चुप हो जाओ नहीं तो नलवा आ जाएगा। हरिपुर मेरे नानाजी का घर था तथा भाई स्व. ले. सीताराम जी का ससुराल था।

संकलनः ***ए.एन. दत्ता,*** *301 ब्राओलेक ब्रीज अपार्टमेंट बंगलौर फोनः 08088552680*

इन्सानीयत

चिरागों को हवा मत दो, बस्तीयां जल जाएंगी।
इन्सानीयत पर कहर टूटेगा, इन्सानीयत मर जाएगी।
इन्सानीयत तो आज भी जिन्दा है, चन्द इन्सानीयत गरों से।
वरना यह कभी का दम तोड़ देती, मौका परस्तगीरो से।

हम एहसान फरामोश, खुदगर्ज और मौका परस्त है।
अपना मतलब निकल जाए, उसी में पस्त है।
मालिक की नजर से, तो कुछ नहीं छुपा है।
हर इन्सान ही अपने आप में खफा हैं।

जानता है इन्सान साथ कुछ नहीं जाएगा (सिवा इन्सानीयत के)
फिर भी वह अपनी आदत से बाज कहाँ आएगा।
इन्सानीयत का पैगाम देने वालों को मेरा सलाम।
सलाम के हकदारों को नजर कर रहा हूँ उनके नाम।

1. श्री सुनील दत्त वैद (खन्ना)– जिन्दा थे तो पास बिठाया नहीं (जिन्दगी का कड़वा सच)।
2. श्री सुनील दत्त (उत्तम नगर)– (अ) फिर क्यों खटकती हैं बेटीयां (ब) मैं और मेरे पिता।
3. मेजर एस.के. बक्शी– जीवन की गाड़ी
4. कैप्टन के.एल डोभाल– (क) चार का चमत्कार (ख) महंगाई की मार।
5. श्री तिलक दत्ता (लुध्यानवी)– मुस्कराते जख्म
6. श्रीमती नील हर्ष–नील बख्शी– मेरे पाँव तेरा आसमान
7. निर्मला मोहन – बुझते दीये

नरेन्द्र बाली, *जयपुर*

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

व्यवहार हमारा बच्चों से

पहले तो हम उन्हें हमेशा
हँसते हुए दिखाई दें
आपस में हम कभी उन्हें न
लड़ते हुए दिखाई दें।

करने उनको सावधान हम
उन्हें बतायें पास बुला कर
कोई करे संवाद न बच्चों से
सम्मुख सब के चिल्लाकर।

उन्हें बताएँ जीवन में
कठिनाइयाँ भी आती हैं
समझो इम्तहान हमारे
धीरज का लेने आती हैं।

बात मनोबल को कभी न
करें गिराने वाली
जैसे दी जाती बच्चों को
अपने ही गाली।

पीछे लग जाते हैं हम जब
पढ़ने को ही ले कर
करें न बच्चों का जीवन
दबाव डाल कर दूभर।

कार्य–कुशलता, साहस के गुण
जिन में विकसित हो पाते
हमने देखे उनमें जो हैं
पढ़ने में पीछे रह जाते।

सबसे दुःखद स्थिति को मैंने
देखा जिन परिवारों की
अभिभावक ही बन जातें जब
बड़ी समस्या बच्चों की।

कभी न दो बच्चों को घर का
वातावरण घुटन का
मिले न अवसर जिसमें उनको
अपने आप पनपने का।

मौन में ही होता ज्यादा
संवाद हमारा बच्चों से
पास भी रह कर दूर का है
व्यवहार हमारा बच्चों से।

नमन मो. 7045208241

।। मोहयाल प्रार्थना ।।

ऊँ स्वस्ति। ऊँ परम पिता परमात्मा को हमारा प्रेमपूर्वक नमस्कार। ऊँ स्वस्ति। सभी सुखी हों। सब का कल्याण हो। सबका आपस में प्रेम हो। सब मिलकर अपने समाज की भलाई का विचार करें। सब उसी में अपना भला समझें जिसमें सबका भला हो, हित हो, लाभ हो। मन, वचन और कर्म से कोई दूसरे की हानि न करे। हम एक दूसरे के प्रति प्रेम भाव रखें। दूसरों की बातों को धैर्य और शांतिपूर्वक सुनें। अपनी बातें मधुर शब्दों में कहें। हम निःस्वार्थ भाव से अपने समाज की भलाई के लिए कार्य करें।

जय मोहयाल

काम के नुस्खें

यदि जामुन ज्यादा खा लिया हो व इससे जी मिचला रहा हो तो आम की एक फाँक खा लेने से तत्काल राहत महसूस होने लगती है।

मूली ज्यादा खा ली हो तो चौथाई चम्मच अजवायन फाँक लें या मूली का ऊपरी मुलायम पत्ता खा लेने से गैस या अपच नहीं होती।

मूली के तीन–चार पत्ते खाने से हिचकी दूर होती है।

केले ज्यादा खा लिए हों तो एक इलायची चबा लें, केला हजम हो जाएगा।

बदन में थकावट का दर्द होने पर सरसों के तेल में नमक मिलाकर गुनगुना कर लें व पूरे बदन पर मालिश करके गर्म पानी से नहा लें। इससे राहत मिलेगी।

जी मिचला रहा हो और उल्टी हो रही हो तो 4–5 लौंग, एक चम्मच चीनी में बारीक पीसकर चुटकी–चुटकी भर जीभ पर रखकर चाटने से आराम मिलता है।

मूँग की दाल रात को भिगोकर सुबह उसमें 2 लौंग डालकर बनाया जाए तो ज्यादा पाचक होती है व गैस भी नहीं बनती।

मेथी को अजवायन के संग बराबर मात्राा में लेकर पीस लें व खाने के बाद गुनगुने पानी के साथ फाँक लें। गैस–अपच नहीं होगी और कब्ज भी नहीं रहेगा।

साबुत काली मिर्च व मिश्री चबाने से गले की खराश तत्काल दूर हो जाती है।

MATERIAL FOR PUBLICATION IN MOHYAL MITTER

1. **It is requested that material for publication in Mohyal Mitter be sent only by e-mail or typed in double spacing. Hand written copies will not be accepted since they are illegible.**
2. **Request be brief — matter sent should not exceed half page/250 words.**
3. **Photographs sent should be clear and sharp. Reference to old published photographs should not be done.**
4. **Giving Contact details (name, tele number, address) of sender of the material is mandatory.**
5. **Material to be published should reach the GMS Office by 15th of each month.**

THANKS

—Chief Editor MM

मोहयाल मित्र घर-घर पहुँचे

मोहयाल मित्र जब भी महीने की आखिर तारीखों में घर पहुँचता हैं और इसको पढ़ने के बाद मन को ऐसा लगता है कि जैसे किसी रिश्तेदार की चिट्ठी आई है और चिट्ठी (मोहयाल मित्र) पढ़ने के बाद घर के सभी सदस्यों रिश्तेदारों का हाल–चाल जान लिया हो। मोहयाल बिरादरी के हमारे बुर्जग जो इस दुनिया से बिछड़ कर और हम को छोड़ कर स्वर्ग सिधार गए हैं इसकी जानकारी जब मोहयाल मित्र से मिलती है सुनकर दुख होता है और जब इसकी चर्चा हम घर में अपने बुर्जगों से करते हैं तो वे यह ऐसे दुखद समाचार सुनकर अफसोस प्रकट करते हैं और अतीत में चले जाते हैं और पाकिस्तान में बचपन की बीती बातों को सुनाने लगते हैं। बुर्जगों का मोहयाल मित्र से लगाव बहुत ही ज्यादा है। मोहयाल मित्र में बच्चों के जन्म–दिन की तस्वीरें और बड़े बच्चों की शादी की तस्वीरें देखकर ऐसा प्रतीत होता है और आखों में थोड़ी लाली आती है जिससे मोहयाल मित्र के ये तस्वीरों वाले पन्ने ब्लैक एंड वाईट होकर भी रंगदार लगने लगते हैं। जी.एम.एस. द्वारा मोहयाल बिरादरी के शिक्षावान बच्चों को पुरस्कृत करना और मोहयाल मित्र में इनका गुणगान बहुत ही अच्छा कार्य है।

"मोहयाल मित्र के बढ़ते कदम कुछ ऐसे आगे निकल आये हैं।
जो चेहरे मोहयालों के कभी नहीं देखे, वो मोहयाल मित्र ने हमें दिखाये हैं।"

मोहयाल कौम देश की सबसे उत्तम और निडर कौम है। यह कौम से सप्त ऋषि की सन्तान हैं और इनकी बहादुरी के किस्सों से देश का इतिहास भरा पड़ा है जाहिर है इस गर्म खून, गर्म जोशीले वाले बिरादरी के लोगों और देश में छूटी कौम को एक मंच पर लाना बहुत ही कठिन कार्य है। पर मैं बधाई देता हूँ हमारे सर्वमान्य श्री बी.डी. बाली साहेब को जिन्होंने अपनी जी.एम.एस. की पूरी संचालक टीम के साथ मिलकर इन सब मोहयालों को जोड़ा ही नहीं बल्कि तरक्की के ऐसे हिमालय पर स्थापित कर दिए हैं जहां देश की दूसरी कौमों के हर कोई व्यक्ति इनको टकटकी लगाए देख रहा है कि काश हम भी इनकी तरह होते और समाज में इस बारे में मेरा व्यक्तिगत अनुभव है। मैं दुआ करता हूँ कि श्री बी.डी. बाली जी के दिशा निर्देश से पूरी मोहयाल बिरादरी और तरक्की करें।

मोहयाल मित्र के अंग्रेजी और हिन्दी के संपादक बहुत ही अच्छी समझ रखते हैं। मोहयाल बिरादी बड़े–बड़े अफसर, राजनेता, अभिनेता और जो समाज के बड़े–बड़े कार्यों से जो लोग जुड़े हैं उनका वर्णन मोहयाल मित्र में अक्सर होता है जो बच्चों के लिए प्रेरणा स्रोत है। मोहयाल मित्र में संपादकों द्वारा अंग्रेजी और हिन्दी में सरल भाषा का प्रयोग हर किसी की समझ के अनुरूप है। संपादकों द्वारा अपना वक्त मोहयाल मित्र और सामाजिक कार्यों के लिए देना बहुत ही सराहनीय कार्य है।

मैं जी.एम.एस. को एक सुझाव भेज रहा हूँ कि जितनी भी भारत वर्ष में नगरों कस्बों में मोहयाल सभाऐं हैं उनको लिखकर भेजे की मोहयाल मित्र को घर–घर में पहुँचाने का कार्य करें और सदस्य बनाऐं जो सबसे सराहनीय कार्य होगा। पूरी मोहयाल कौम को नतमस्तक प्रणाम।

मोहयाल मित्र का सबके घर–घर होना, बहुत ही जरूरी है।
इस मित्र के बिना मोहयालों के बारे में जानकारी अधूरी है।।

रविन्द्र मेहता 'लौ'

STOP PRESS

Major Deepak Dutt son of late Lt Col H L Dutt and Smt Ved Dutt and nephew of Rzd B D Bali, President GMS expired on 18 Dec 2015 at Pune. Kriya Ceremony will be held at Ram Mandir Panchkula on 28 Dec 2015.

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com